बरेली, शनिवार
8 फरवरी 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 22+4=26

दैनिक जागरण

बढ़ती आबादी, खानपान से बढ़ा कोरोना

यूपी-यूके माइक्रोकान 2020 के उद्घाटन में सोवीनियर विमोचन करते चेयरमैन देवमूर्ति (मध्य में) ● सौजन्य एसआरएमएस

सेमिनार

- एसआरएमएस में आयोजित माइक्रोबायोलाजी के राष्ट्रीय सेमीनार में बोले डा. शेरवाल
- एसआरएमएस मेडिकल कालेज में यूपी-यूके माइक्रोकान में विशेषज्ञों ने की रिसर्च साझा

जागरण संवाददाता, बरेली : यूपी-यूके माइक्रोकान 2020 के दूसरे दिन नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल के डायरेक्टर डॉ. बीएल शेरवाल ने कोरोना वायरस के प्रकोप पर भी चिंता जताई। हालांकि इसके लिए उन्होंने बढ़ती आबादी और खानपान की आदतों ही जिम्मेदार ठहराया। कहा, 29 देशों तक पहुंचने वाले इस वायरस से बचाव को फिलहाल कोई एंटीबायोटिक्स नहीं है।

एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में आयोजन के मुख्य अतिथि नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल के डायरेक्टर डॉ. बीएल शेरवाल और विशिष्ट अतिथि आइएमएस बीएचयू के डॉ. गोपाल नाथ शामिल हुए। डॉ. शेरवाल ने बीमारियों की जांच में माइक्रोबायलाजिस्ट की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सैंपल की समय से जांच और एक्यूरेट रिपोर्ट से ही मरीज का शीघ्र और उचित उपचार संभव हो पाता है। ज्यादातर गंभीर मामलों में रिपोर्ट के बाद ही उपचार शुरू होता है। रिपोर्ट से ही पता चलता है कि समस्या की जड़ बैक्टीरिया है या वायरस।

आइएमएस बीएचयू के डा.गोपाल नाथ ने भी बीमारियों के बदलते दौर में माइक्रोबायलोजिस्ट की जरूरत बढ़ने की बात कही। मरीज का सौ फीसद सही उपचार उसकी बेहतर जांच रिपोर्ट पर ही निर्भर है। एसजीपीजीआई लखनऊ की डॉ. उज्ज्वला घोषाल ने भी क्लीनिकल माइक्रोबायोलाजी की भूमिका बढ़ने की बात कही। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति ने पुराने वायरस खत्म होने और नए वायरस का जमाना चलने की बात कही। एंटीबायोटिक्स का बेअसर होना मुसीबत को और भी बढ़ा रहा है। समारोह में आइएमएस बीएचयू की डॉ. शंपा अनुपूर्वा को डॉ. यूसी चतुर्वेदी ओरेशन अवार्ड प्रदान किया गया।